23-12-2022

भारत के तीन स्थलों को विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में यूनेस्को द्वारा भारत के तीन नए सांस्कृतिक स्थलों को विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल किया गया।

त्वरित मुद्दा?

- इन स्थलों में मोढेरा का ऐतिहासिक सूर्य मंदिर, गुजरात का ऐतिहासिक वडनगर शहर और त्रिपुरा में उनाकोटी की चट्टानों को काटकर बनाई गई मूर्तियां शामिल हैं।
- इन 3 स्थलों के शामिल होने के बाद, यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल भारतीय स्थलों की संख्या 52 हो गयी।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- **मोढेरा का सूर्य मंदिर :-** इसका निर्माण सोलंकी वंश के राजा भीमदेव प्रथम (1022-1063 CE) द्वारा कराया गया था।
- मोढेरा का सूर्य मंदिर मेहसाणा ज़िले के बेचराजी तालुका में रूपन नदी की एक सहायक नदी पुष्पावती के बाएँ किनारे पर स्थित है। यह पूर्वमुखी मंदिर चमकीले पीले बलुआ पत्थरों से बना हुआ है।
- यह मंदिर सोलंकी राजवंश के संरक्षण में पश्चिमी भारत की 11वीं शताब्दी की मारू-गुर्जर वास्तुकला शैली का एक अनुकरणीय मॉडल है।

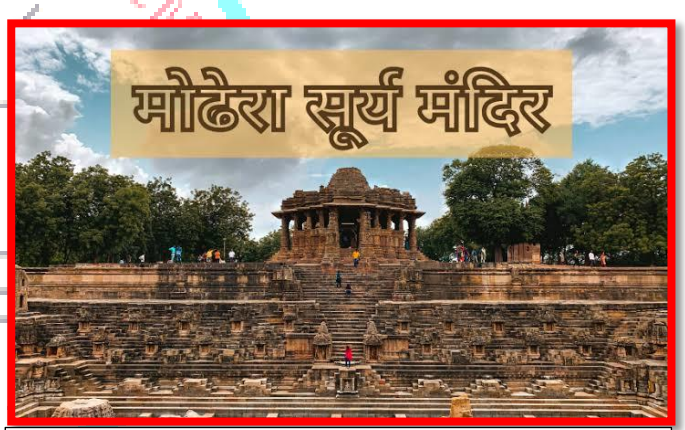

मोढेरा का सूर्य मंदिर

- इसके निर्माण में हिन्दू-ईरानी शैली का प्रयोग किया गया है, इस मन्दिर को दो हिस्सों में बनाया गया है, इसके प्रथम भाग में गर्भगृह तथा द्वितीय भाग में सभामंडप है।
- जिसमें मुख्य मंदिर (गर्भगृह), एक कक्ष (गढ़मंडप), एक बाहरी कक्ष अथवा सभाकक्ष (सभामंडप या रंगमंडप) और एक पवित्र जलाशय (सूर्य कुंड) जिसे अब रामकुंड कहा जाता है, शामिल हैं।
- मन्दिर के सभामंडप में 52 स्तंभ हैं, जिन पर उत्कृष्ट कारीगरी की गई है। इन स्तंभों की विशेषता यह है कि नीचे की ओर देखने पर अष्टकोणाकार और ऊपर की ओर देखने पर वह गोल प्रतीत होते हैं।
- इस मन्दिर का निर्माण इस प्रकार से किया गया है कि सूर्योदय होने पर सूर्य की पहली किरण मन्दिर के गर्भगृह में प्रवेश करती है।
- मन्दिर में एक विशाल कुंड है, जिसे 'सूर्यकुंड' तथा 'रामकुंड' कहा जाता है।
- मोढेरा के इस सूर्य मन्दिर को गुजरात का खजुराहो के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इस मन्दिर की शिलाओं पर भी खजुराहो जैसी ही नक़्क़ाशीदार शिल्प कलाएँ मौजूद हैं।

- मोढेरा का उल्लेख विभिन्न पुराणों में भी मिलता है, स्कंदपुराण और ब्रह्मपुराण के अनुसार प्राचीन काल में मोढेरा के आस-पास का पूरा क्षेत्र 'धर्मरण्य' के नाम से जाना जाता था।
- **वडनगर शहर :-** गुजरात के मेहसाणा जिले में स्थित वडनगर एक बहुस्तरीय ऐतिहासिक शहर है, जिसे पहले आनंदानगर, अनारतापुर और नागर के नाम से जाना जाता रहा है।
- 5वीं शताब्दी में बना हाटकेश्वर मंदिर तथा अम्बाजी माता मंदिर वडनगर में स्थित प्राचीन मंदिर है।
- यहां बौद्ध धर्म से जुड़े कई अवशेष तथा जैन गुफाएं और सोलंकी शासकों द्वारा बनवाए गए स्मारक भी हैं।
- वडनगर ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण शहर है, 7वीं शताब्दी में भारत आए चीनी यात्री ह्वेन त्सांग के यात्रा विवरण में भी वडनगर का उल्लेख मिलता है।

वडनगर शहर

- यहाँ कई पुरातात्त्विक संग्रह पाए गए हैं, वड़नगर अपने तोरणों के लिये प्रसिद्ध है, यहाँ 12वीं शताब्दी के सोलंकी युग के लाल और पीले बलुआ पत्थर से निर्मित 40 फीट लंबे स्तंभों की एक जोड़ी है जिसे युद्ध की जीत का जश्न मनाने के उपलक्ष्य में बनाया गया था।
- वर्ष 2008-09 में खुदाई के दौरान वड़नगर में एक बौद्ध मठ के अवशेष भी मिले थे।
- ताना रीरी परफॉर्मिंग आर्ट्स कॉलेज वड़नगर में है, जिसका नाम दो बहनों, ताना और रीरी की वीरता के सम्मान में रखा गया था। अकबर द्वारा अपने दरबार में गाने के लिये कहने पर उन्होंने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी क्योंकि यह उनके रिवाज के खिलाफ था।
- **उनाकोटि की पत्थरों को काट कर बनाई गई मूर्तियाँ -** उनाकोटी (Unakoti) भारत के त्रिपुरा राज्य के उनाकोटी ज़िले के कैलाशहर उपखंड में स्थित एक ऐतिहासिक व पुरातत्विक हिन्दू तीर्थस्थल है।
- यहाँ भगवान शिव को समर्पित मूर्तियाँ और स्थापत्य हैं जिनका निर्माण 7वीं – 9वीं शताब्दी ईसवी, या उस से भी पहले, पाल वंश के शासनकाल में हुआ था।
- उनाकोटि का अर्थ है एक करोड़ से एक कम और कहा जाता है कि इतनी ही संख्या में चट्टानों को काटकर बनाई गई नक्काशी यहाँ उपलब्ध है।
- हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब भगवान शिव एक करोड़ देवी-देवताओं के साथ काशी जा रहे थे, तो उन्होंने इस स्थान पर रात्रि विश्राम किया था।

उनाकोटि की पत्थरों को काट कर बनाई गई मूर्तियाँ

- उन्होंने सभी देवी-देवताओं को सूर्योदय से पहले जागने और काशी के लिये प्रस्थान करने को कहा।

- ऐसा कहा जाता है कि सुबह शिव के अलावा कोई और नहीं उठा, अतः भगवान शिव दूसरों को पत्थर की मूर्ति बनने का श्राप देते हुए स्वयं काशी के लिये निकल पड़े।नतीजतन, उनाकोटि में एक करोड़ से भी कम पत्थर की मूर्तियाँ और नक्काशियाँ हैं।

- चट्टानों को काट कर बनाए गए नक्काशीदार चित्रों के ठीक बीच में शिव का सिर और गणेश की विशाल आकृतियाँ उल्लेखनीय हैं।
- शिव के सिर को 'उनाकोटिश्वर कालभैरव' के रूप में जाना जाता है।
  - शिव के मस्तक के दोनों तरफ दो महिलाओं की पूर्ण आकृतियाँ हैं - एक शेर पर खड़ी दुर्गा की और दूसरी ओर अन्य महिला आकृति।
- इसके अलावा नंदी बैल की तीन विशाल प्रतिमाएँ ज़मीन में आधी दबी हुई पाई गई हैं।
- 'अशोकाष्टमी मेला' के नाम से प्रसिद्ध एक भव्य मेला प्रतिवर्ष अप्रैल के महीने में आयोजित किया जाता है, जिसमें हज़ारों तीर्थयात्री आते हैं।

प्रारंभिक परीक्षा मे पूछे जाने वाला संभावित प्रश्न

Q. निम्नलिखित कथनों में से कौन सा सही है?

(a) अजंता की गुफाएँ वाघोरा नदी के घाट में स्थित हैं।
(b) सांची स्तूप चंबल नदी के घाट में स्थित है।
(c) पांडु-लीना गुफा मंदिर नर्मदा नदी के घाट में स्थित हैं।
(d) अमरावती स्तूप गोदावरी नदी के घाट में स्थित है।

उत्तर: (a) अजंता की गुफाएँ वाघोरा नदी के घाट में स्थित हैं।

Q. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये :

मशहूर स्थल	**नदी**
1. पंढरपुर	चंद्रभागा
2. तिरुचिरापल्ली	कावेरी
3. हम्पी	मलप्रभा

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-से सही सुमेलित हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर : (a) केवल 1 और 2

अन्य प्रमुख तथ्य?

यूनेस्को की अस्थायी सूची

- यूनेस्को की अस्थायी सूची उन संपत्तियों की सूची है, जिन पर प्रत्येक पक्षकार नामांकन के लिये विचार करना चाहती है।
- यूनेस्को के संचालनात्मक दिशा-निर्देश (Operational Guidelines), 2019 के अनुसार, किसी भी स्मारक/स्थल को विश्व विरासत स्थल (World Heritage Site) की सूची में अंतिम रूप से शामिल करने से पहले उसे एक वर्ष के लिये इसकी अस्थायी सूची में रखना अनिवार्य है।
- इसमें नामांकन हो जाने के बाद इसे विश्व विरासत केंद्र (World Heritage Centre) को भेज दिया जाता है।
- भारत में अब अस्थायी सूची में 52 स्थल हैं।

यूनेस्को

- यूनेस्को, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक विशेष एजेंसी है जिसका उद्देश्य शिक्षा, कला, विज्ञान और संस्कृति में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से विश्व शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना है।
- यूनेस्को की स्थापना 1945 में हुई थी।
- इसके 195 सदस्य राज्य और 11 सहयोगी सदस्य तथा गैर-सरकारी, अंतर-सरकारी और निजी क्षेत्र में भागीदार हैं।
- यूनेस्को के कार्यक्रम 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अपनाए गए एजेंडा 2030 में परिभाषित सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में भी योगदान करते हैं।
- यूनेस्को अपने विश्व विरासत मिशन के लिए जाना जाता है जो दुनिया के देशों को प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत स्थलों की रक्षा के लिए प्रोत्साहित करता है।

विश्व विरासत स्थल

- यूनेस्को की विश्व विरासत सूची (World Heritage List) में विभिन्न क्षेत्रों या वस्तुओं को शामिल किया गया है।
- यह सूची यूनेस्को द्वारा वर्ष 1972 में अपनाई गई 'विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण से संबंधित कन्वेंशन' नामक एक अंतर्राष्ट्रीय संधि में सन्निहित है।
- विश्व विरासत केंद्र वर्ष 1972 में हुए कन्वेंशन का सचिवालय है।
- यह पूरे विश्व में उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्यों के प्राकृतिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण को बढ़ावा देता है।
- इसमें तीन प्रकार के स्थल शामिल हैं: सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित।
- सांस्कृतिक विरासत (Cultural Heritage) स्थलों में ऐतिहासिक इमारत, शहर स्थल, महत्त्वपूर्ण पुरातात्त्विक स्थल, स्मारकीय मूर्तिकला और पेंटिंग कार्य शामिल किये जाते हैं।
- प्राकृतिक विरासत (Natural Heritage) में उत्कृष्ट पारिस्थितिक और विकासवादी प्रक्रियाएँ, अद्वितीय प्राकृतिक घटनाएँ, दुर्लभ या लुप्तप्राय प्रजातियों के आवास स्थल आदि शामिल किये जाते हैं।
- मिश्रित विरासत (Mixed Heritage) स्थलों में प्राकृतिक और सांस्कृतिक दोनों प्रकार के महत्त्वपूर्ण तत्त्व शामिल होते हैं।
- भारत में यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त कुल 40 विरासत धरोहर स्थल (32 सांस्कृतिक, 7 प्राकृतिक और 1 मिश्रित) हैं। इनमें शामिल धौलावीरा का हड़प्पा शहर और काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर सबसे नए हैं।

न्यूज-फटाफट (प्रमुख चर्चित : स्थान)

बोस्निया और हर्ज़ेगोविना (राजधानी: साराजेवो)

- यूरोपीय संघ बोस्निया और हर्जेगोविना को अपनी सदस्यता के लिए उम्मीदवार का दर्जा देने पर सहमत हो गया है।
- बोस्निया और हर्ज़ेगोविना दक्षिण पूर्वी यूरोप में स्थित एक बाल्कन देश है।
- इससे पहले यह यूगोस्लाविया संघ का एक राज्य था।
- यह क्रोएशिया, सर्बिया और मोंटेनेग्रो से अपनी सीमाएं साझा करता है।
- एड्रियाटिक सागर इसे समुद्री पहुंच प्रदान करता है।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - प्रमुख नदियाँ: सावा नदी और नेरेत्वा नदी।
  - सबसे ऊँची चोटी माउंट मैग्लिक।

तवांग (अरुणाचल प्रदेश)

- हाल ही में, भारतीय सैनिकों ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर चीनी सैनिकों की घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है।
- तवांग अरुणाचल प्रदेश का सबसे पश्चिमी जिला है। यह उत्तर में तिब्बत (चीन) और दक्षिण-पश्चिम में भूटान से घिरा हुआ है।
- सेला पर्वतमाला इसे पूर्व में अरुणाचल प्रदेश के पश्चिमी कामेंग जिले से जोड़ती है।
- यहां तवांग मठ स्थित है। यह भारत का सबसे बड़ा मठ है। यह ल्हासा (तिब्बत) में पोटाला पैलेस के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मठ है।

आयरलैंड (राजधानी: डबलिन)

- भारतीय मूल के लिओ वराडकर दूसरी बार आयरलैंड के तीसक (Taoiseach) (प्रधान मंत्री) चुने गए हैं।
- **राजनीतिक सीमाएं:**
  - यह पश्चिमी यूरोप का द्वीपीय राष्ट्र है। यह ग्रेट ब्रिटेन के पश्चिम में अवस्थित है।
  - यह ग्रेट ब्रिटेन के बाद यूरोप का दूसरा सबसे बड़ा द्वीप है।
  - यह अटलांटिक महासागर (पश्चिम), सेल्टिक सागर (दक्षिण) और आयरिश सागर से घिरा हुआ है। आयरिश सागर इसे पूर्व दिशा से इंग्लैंड से अलग करता है।
  - आयरलैंड का लगभग पांचवां भाग (उत्तरी आयरलैंड) यूनाइटेड किंगडम का हिस्सा है।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - **उच्चतम बिंदु**: कैरनटूहिल
  - **सबसे बड़ी नदी:** शेन्नॉन नदी।
  - **सबसे बड़ा द्वीप**: एकिल- द्वीप।

रवांडा (किगाली)

- लंदन के उच्च न्यायालय ने प्रवासियों को रवांडा भेजने की ब्रिटेन की योजना को वैध बताया है।
- **राजनीतिक सीमाएं:**
  - यह पूर्व मध्य अफ्रीका में भूमध्यरेखा के दक्षिण में स्थित एक भू आबद्ध गणराज्य है।
  - इसके उत्तर में युगांडा; पूर्व में तंजानिया; दक्षिण में बुरुंडी तथा पश्चिम में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और किवु झील स्थित हैं।
- **भौगोलिक विशेषताएं:**
  - इसकी प्रमुख विशेषता यहां मौजूद पर्वतों की श्रृंखला है, जो उत्तर से दक्षिण दिशा तक फैली हैं। यह श्रृंखला कांगो-नील विभाजक का हिस्सा है।
  - देश की अधिकांश नदियां कांगो-नील विभाजक के पूर्वी भाग में प्रवाहित होती हैं।
  - पूर्वी भाग में कागेरा प्रमुख नदी है।
  - **सबसे बड़ी झील**: किवु झील।
  - **सर्वोच्च बिंदु:** माउंट कारिसिंगी।

KAUTILYA ACADEMY INDORE